'जोरन'

चर्चा में क्यों?

1 नवंबर, 2021 को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर 'मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना' के ऑनलाइन डैशबोर्ड और महिला स्वसहायता समूहों द्वारा तैयार किये गए छत्तीसगढ़ के पारंपरिक व्यंजनों के स्मॉर्ट फूड वर्जन 'जोरन' का गिफ्ट पैक लॉन्च किया।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना को नागरिकों के लिये और अधिक सुगम बनाने के उद्देश्य से स्लम स्वास्थ्य योजना का डैशबोर्ड लांच किया गया है।
- मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना के ऑनलाइन डैशबोर्ड से नागरिक घर बैठे ही मुफ्त में इलाज कराने हेतु अग्रिम अपॉइनमेंट ले सकेंगे। साथ ही देख पाएंगे की मोबाइल मेडिकल यूनिट की गाड़ी उनके एरिया में कब आने वाली है।
- इस डैशबोर्ड पर मरीजों की दवा पर्ची और जाँच रिपोर्ट भी ऑनलाइन उपलब्ध होगी। इस योजना का लाभ लेने के लिये नागरिकों को ऑनलाइन डैशबोर्ड पर पंजीयन कराना होगा।
- उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की विशेष पहल पर एक वर्ष पहले 1 नवंबर, 2020 को राज्य के स्लम क्षेत्रों के नागरिकों को निःशुल्क और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ प्रदान करने के उद्देश्य से 'मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना' की शुरुआत की गई थी।
- इस योजना के तहत 14 नगर निगम क्षेत्रों में 60 मोबाइल मेडिकल यूनिटों के माध्यम से जरूरतमंद लोगों को उनके मोहल्ले में ही इलाज की सुविधा प्रदान की जा रही है। मात्र एक वर्ष में मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना के जरिये 11 लाख से अधिक नागरिकों का मुफ्त में उपचार कर उन्हें स्वास्थ लाभ दिया जा चुका है।
- शहरी आजीविका मिशन के अंतर्गत रायपुर शहर की स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने 'जोरन' ब्रांड नेम से मिलेट स्मार्ट फूड तैयार किया है। 'जोरन' में बाजरा की बर्फी, दरभा कॉफी और रागी के कुकीज, बाजरा और बस्तर के काजू के कुकीज, मिलेट से बने पीड़िया, पपची, ठेठरी जैसे 14 स्मार्ट फूड उत्पाद शामिल किये गए हैं।
- छत्तीसगढ़ में बेटी को विवाह के समय उपहार स्वरूप झांपी में रखकर व्यंजन देने की परंपरा है, जिसके नाम पर इस गिफ्ट पैक का नामकरण 'जोरन' किया गया है।
- त्योहारों के मौके पर लोग एक-दूसरे को उपहार देने इस गिफ्ट पैक का उपयोग कर सकेंगे। वैज्ञानिकों द्वारा मिलेट से बने उत्पादों को पौष्टिक एवं स्मार्ट फूड की संज्ञा दी गई है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/zoran